डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

नई दिल्ली, 27.03.2018

प्रेस रिलीज़

डीएफसी के अटेली-फुलेरा सेक्शन में 100 किमी की अधिकतम रफ़्तार से ट्रायल रन संपन्न

(पश्चिमी डीएफसी के अटेली-फुलेरा सेक्शन में पहला ट्रायल रन)

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पश्चिमी डीएफसी में पहला ट्रायल रन सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया है। यह ट्रायल रन अटेली-फुलेरा सेक्शन में दिनांक 27 मार्च 2018 को पूरा किया गया, जिसमें भारतीय रेल के इंजन ने फुलेरा (ज़िला जयपुर, राजस्थान) से अटेली (ज़िला महेंद्रगढ़, हरियाणा) स्टेशन की 190 किमी की दूरी 3 घंटे 52 मिनट में पूरी की।

यह ट्रायल रन 100 किमी की अधिकतम रफ़्तार के साथ पूरा किया गया। भारतीय रेल (उत्तर पश्चिम रेलवे) के इंजन को फुलेरा स्टेशन से डीएफसी नेटवर्क में दाख़िल कराया गया और अटेली स्टेशन के आगे काठुवास स्टेशन पर उत्तर पश्चिम रेलवे को वापस सौंप दिया गया।

अटेली-फुलेरा सेक्शन में 10 वायाडक्ट और बड़े पुल, 127 छोटे पुल, एक रेल फ्लाईओवर और 118 रूट अंडर ब्रिज हैं। साथ ही, इस सेक्शन के अंतर्गत 6 डीएफसी स्टेशन और दो जंक्शन (अटेली और फुलेरा) भी आते हैं।

डीएफसी नेटवर्क पर 100 किमी प्रति घंटे की अधिकतम रफ़्तार से माल गाड़ियां चला करेंगी। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर माल गाड़ियां 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम रफ़्तार से चल रही हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल लाइनों पर माल गाड़ियों की मौजूदा औसत रफ़्तार 26 किमी प्रति घंटा को बढ़ाकर भी 70 किमी प्रति घंटा किए जाने का लक्ष्य है।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) रेल मंत्रालय के अधीन स्थापित एक विशेष प्रयोजन संस्था है, जो ऐसे कोरीडोरों का निर्माण कर रही है, जिन पर केवल माल गाड़ियों का संचालन होगा। डीएफसीसीआईएल पहले चरण में पूर्वी और पश्चिमी कोरीडोरों के नियोजन, निर्माण, परिचालन और रख-रखाव का कार्य कर रहा है। 1856 किलोमीटर लंबा पूर्वी कोरीडोर पंजाब के लुधियाना से पश्चिम बंगाल के डानकुनि के बीच बनाया जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के दादरी से मुंबई स्थित जवाहर लाल नेहरू पोर्ट के बीच बन रहे पश्चिमी कोरीडोर की लंबाई 1504 किलोमीटर है।

पूर्वी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर लुधियाना से शुरू होकर कोलकाता के पास डानकुनि पर समाप्त होगा। यह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से गुज़रेगा। जबकि, पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर दादरी (उत्तर प्रदेश) से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (मुंबई) पर समाप्त होगा। यह कोरीडोर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुज़रेगा।

पश्चिमी कोरीडोर का निर्माण जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) एवं पूर्वी कोरीडोर में लुधियाना से मुग़लसराय सेक्शन का निर्माण विश्व बैंक द्वारा प्रदत्त ऋण से किया जा रहा है।

प्रकाशनार्थ/प्रसारणार्थ

राजेश खरे

उप-महाप्रबंधक

जन संपर्क

डीएफसीसीआईएल

सोशल मीडिया पर हमसे जुड़ें-

www.facebook.com/dfccil.india,
www.twitter.com/dfccil_india
www.youtube.com/dfccilindia